शिखर 1

पाठ 7 दादा जी ने उगाए शलजम

पाठ का उद्देश्य
प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को मिल-जुल कर काम करने की सीख देना है। मिल-जुल कर काम करने से मुश्किल काम भी आसान हो जाता है।

पाठ का सारांश
दादा जी ने शलजम के बीज बोए। कुछ दिनों बाद शलजम उग गया और बहुत बड़ा हो गया। दादा जी ने शलजम निकालने की कोशिश की परंतु निकाल नहीं पाए। उन्होंने मदद के लिए दादी को बुलाया। दादी ने पोती को, पोती ने कुत्ते को और कुत्ते ने बिल्ली को बुलाया। सबने मिलकर शलजम को खींचा और शलजम बाहर निकल गया। शलजम बहुत बड़ा और मीठा था। सबने मिलकर शलजम खाया।

अध्यापन संकेत
पाठ वाचन से पूर्व बच्चों का ध्यान आकर्षित करने हेतु पाठ की पृष्ठभूमि से संबंधित चर्चा करें। बच्चों से पूछें और समझाएँ-

- ❖ क्या उन्हें शलजम अच्छा लगता है?
- ❖ क्या वे अपने सहपाठी या घर के कामों में मदद करते हैं?
- ❖ क्या वे अपना खाना अपने सहपाठी के साथ मिल-बाँट कर खाते हैं?
- ❖ पाठ के कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।
- ❖ मौखिक कौशल में दिए शब्दों का उच्च स्वर में उच्चारण करवाएँ।

रहो स्वच्छ (केवल पढ़ने के लिए)

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।